बिम्सटेक दिल्ली घोषणा: सुरक्षा और आपदा सहयोग की दिशा

GS-2 क्षेत्रीय सहयोग | GS-3 सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन | समाचार संदर्भ: बैठक 13 अक्टूबर; विज्ञप्ति 15 अक्टूबर 2026 | प्रकाशित: 19 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

बिम्सटेक गृह मंत्रियों की पहली बैठक 13 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में हुई। सचिवालय की 15 अक्टूबर की विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में दिल्ली घोषणा अपनाई गई और क्षेत्रीय सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया। इसे केवल आतंकवाद का विषय नहीं, मानव तस्करी, मादक पदार्थ, अवैध धन और प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी साझा क्षेत्रीय क्षमता का विषय समझना चाहिए।

पहले बुनियादी बातें

बिम्सटेक

Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation। सात सदस्य: बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड।

क्षेत्रीय सहयोग

सीमा-पार समस्याओं पर देशों का जानकारी, प्रक्रिया और क्षमता के स्तर पर साथ काम करना।

कानूनी अवस्था

किसी मसौदे की मंजूरी, उस पर हस्ताक्षर और उसके लागू होने की स्थिति अलग होती है।



आरेख: बिम्सटेक सचिवालय की सूचना पर आधारित pcsmantra.com का मौलिक स्थिति-चित्र; कानूनी अवस्थाएँ अलग दिखाई गई हैं।

PCSMANTRA.COM

मानव तस्करी: मसौदा स्वीकृत, संधि लागू नहीं

गृह मंत्रियों ने BIMSTEC Convention Against Trafficking in Persons के मसौदे को मंजूरी दी। सचिवालय ने कहा कि सदस्य देशों की आवश्यक घरेलू अनुमोदन प्रक्रियाएँ पूरी होने के बाद इस पर हस्ताक्षर अपेक्षित हैं। इसलिए इस बैठक को संधि पर हस्ताक्षर या उसके लागू हो जाने की घटना नहीं लिखा जा सकता। मानव तस्करी से निपटने की कार्ययोजना और उसके एक्शन मैट्रिक्स को भी मंजूरी दी गई।

धन और मादक पदार्थों के अवैध प्रवाह पर सहयोग

धनशोधन और आतंक के वित्तपोषण से निपटने में क्षमता-विकास के समझौता ज्ञापन को स्वीकृति मिली, लेकिन उसके हस्ताक्षर भी घरेलू अनुमोदन के बाद अपेक्षित हैं। अवैध धन-प्रवाह रोकने की कार्ययोजना और मादक पदार्थ नियंत्रण की कार्ययोजना स्वीकृत हुई। मादक पदार्थ योजना के क्रियान्वयन की कार्ययोजना विचाराधीन बताई गई। इस अंतर से पता चलता है कि राजनीतिक सहमति के बाद भी संचालन के लिए विस्तृत प्रक्रियाएँ चाहिए।

दो पुरानी संधियों की स्थिति न मिलाएँ

अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, अंतरदेशीय संगठित अपराध और अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध बिम्सटेक अभिसमय मार्च 2021 से लागू है। इसके विपरीत, आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता का अभिसमय मार्च 2022 में हस्ताक्षरित हुआ था; गृह मंत्रियों ने इसके जल्द लागू होने का आह्वान किया। हस्ताक्षरित होने को लागू होने का पर्याय मानने से परीक्षा में तथ्य बदल जाता है।

आपदा प्रबंधन सुरक्षा एजेंडा क्यों है?

बैठक ने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं के लिए तैयारी और समन्वय सुधारने की कार्ययोजना मंजूर की। सचिवालय ने नोएडा स्थित BIMSTEC Centre for Weather and Climate द्वारा जुलाई 2017 से विशेषीकृत पूर्व चेतावनी पूर्वानुमान दिए जाने का उल्लेख किया। जामनगर में आपदा प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की प्रक्रिया चल रही बताई गई है, इसे पहले से पूरी तरह संचालित केंद्र नहीं मानना चाहिए।

समुद्री और साइबर सहयोग में अगला चरण

सचिवालय के अनुसार पहला बिम्सटेक समुद्री सुरक्षा अभ्यास भारत में 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 के लिए निर्धारित है। यह उस विज्ञप्ति की भविष्य की समय-सारिणी है, संपन्न अभ्यास नहीं। साइबर सुरक्षा की पाँच वर्षीय कार्ययोजना विशेषज्ञ समूह ने अंतिम रूप दी है; साइबर अपराध सहयोग की अवधारणा और CERT-to-CERT सहयोग जैसे प्रस्तावों की अवस्थाएँ अलग हैं। हर पहल को पूर्ण संचालन में बताने से बचना चाहिए।

परीक्षा के लिए विश्लेषण

सीमा-पार अपराध में एक देश की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती। सहयोग में सूचना-साझाकरण, प्रशिक्षित संस्थाएँ, कानूनी सहायता और घरेलू प्रक्रियाओं का मेल जरूरी है। आपदाओं में पूर्व चेतावनी का लाभ तभी मिलता है जब चेतावनी स्थानीय कार्रवाई तक पहुँचे। दिल्ली घोषणा को साझा दिशा और समन्वय के अवसर के रूप में पढ़ें; उसकी सफलता भविष्य के क्रियान्वयन, संसाधनों और जवाबदेही से परखी जाएगी।

प्रारंभिक परीक्षा: याद रखने योग्य तथ्य

- **बैठक:** पहली बिम्सटेक गृह मंत्री बैठक, 13 अक्टूबर 2026, नई दिल्ली; सचिवालय विज्ञप्ति 15 अक्टूबर।
- **मानव तस्करी अभिसमय:** मसौदा मंजूर; घरेलू प्रक्रियाओं के बाद हस्ताक्षर अपेक्षित।
- **धनशोधन क्षमता-विकास MoU:** स्वीकृत, हस्ताक्षर अपेक्षित।
- **आतंकवाद-संगठित अपराध-मादक पदार्थ अभिसमय:** मार्च 2021 से लागू।
- **पारस्परिक कानूनी सहायता:** मार्च 2022 में हस्ताक्षरित; जल्द लागू करने का आह्वान।
- **आपदा सहयोग:** नोएडा का मौसम-जलवायु केंद्र और जामनगर में स्थापना-प्रक्रिया वाला उत्कृष्टता केंद्र अलग हैं।

मुख्य परीक्षा: उत्तर की रूपरेखा

- **परिचय:** बंगाल की खाड़ी क्षेत्र की साझा सुरक्षा और आपदा चुनौतियाँ रखें।
- **मुख्य भाग:** तस्करी, धनशोधन, कानूनी सहायता तथा आपदा तैयारी में सहयोग समझाएँ।
- **विश्लेषण:** मसौदा, हस्ताक्षर, लागू होना और संचालन की अलग अवस्थाएँ तथा घरेलू क्षमता जोड़ें।
- **निष्कर्ष:** घोषणाओं को संस्थागत समन्वय, संसाधन और परिणाम से जोड़ने की जरूरत रखें।

PCSMANTRA.COM

मुख्य परीक्षा अभ्यास: बिम्सटेक में क्षेत्रीय सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को साझा एजेंडा क्यों माना जा सकता है? दिल्ली घोषणा के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

स्रोत

[बिम्सटेक सचिवालय: प्रथम गृह मंत्री बैठक पर विज्ञप्ति, 15 अक्टूबर 2026]

[बिम्सटेक: 13 अक्टूबर की बैठक का विवरण]

PCSMANTRA.COM

बिम्सटेक समुद्री सुरक्षा अभ्यास: दिनांकित अद्यतन

आधार: PIB विज्ञप्ति, 31 अक्टूबर 2026
जोड़ा गया: 3 नवंबर 2026
मूल लेख: 19 अक्टूबर 2026; मूल तीन पृष्ठ यथावत

योजना से वास्तविक आयोजन तक

सचिवालय की 15 अक्टूबर 2026 की विज्ञप्ति में पहला बिम्सटेक समुद्री सुरक्षा अभ्यास 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 के लिए निर्धारित बताया गया था। **31 अक्टूबर 2026 की PIB विज्ञप्ति के अनुसार अद्यतन:** अभ्यास 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 की अवधि में आयोजित किया जा रहा था। इसका लक्ष्य सदस्य देशों के बीच अंतर-संचालन क्षमता, समुद्री क्षेत्र की जानकारी, समन्वय और श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों का आदान-प्रदान बढ़ाना है। विज्ञप्ति अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तथा भारत की पहली एकीकृत त्रि-सेवा कमान, अंडमान-निकोबार कमान, की भूमिका रेखांकित करती है। यह 31 अक्टूबर की स्थिति है, अभ्यास की समाप्ति की पुष्टि नहीं।

मूल लेख को कैसे पढ़ें?

पृष्ठ 1–3 में 15 अक्टूबर की सचिवालय विज्ञप्ति पर आधारित ऐतिहासिक विवरण सुरक्षित रखा गया है। वहाँ अभ्यास की भविष्य की समय-सारिणी वाला वाक्य उसी समय का विवरण है। ऊपर दिया गया 31 अक्टूबर का अद्यतन उस अभ्यास के वास्तविक आयोजन की स्थिति जोड़ता है। साइबर सुरक्षा योजनाओं तथा अन्य समझौतों की अलग कानूनी या संचालन अवस्थाओं में इस पूरक से कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

स्रोत

PIB: Inaugural BIMSTEC Maritime Security Exercise, 31 अक्टूबर 2026

PCSMANTRA.COM